टीएफआरआई में पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

निज प्रतिनिधि | जबलपुर

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद व उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआई में महाराष्ट्र के वन अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को आगाज हुआ। महाराष्ट्र वन विभाग द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का विषय वानिकी प्रजातियों के उत्तम गुणवत्ता पौध उत्पादन एवं कृषि वानिकी प्रबंधन है। डॉ. कोमल रानी ने संस्थान के उद्देश्यों और चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में जानकारी दी। संस्थान के निदेशक डॉ. हरीश सिंह गिनवाल ने उच्च गुणवत्ता वाले पौधों के रोपण और भविष्य में वन विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम की मुख्य समन्वयक डॉ. फातिमा शिरीन ने भी जानकारी दी। प्रशिक्षण में संस्थान के प्रभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक और अधिकारी उपस्थित थे। पी-4

दैनिक भास्कर
Tue, 03 J
https://e

महाराष्ट्र के वन अधिकारियों ने सीखी एग्रो फॉरेस्ट्री मैनेजमेंट की बारीकियां

टीएफआरआई द्वारा दी गई वन अधिकारियों को ट्रेनिंग, बताई प्रबंधन की बारीकियां

जबलपुर @ पत्रिका. एग्रो फॉरेस्ट्री मैनेजमेंट को लेकर महाराष्ट्र से आए वन अधिकारियों के दल को उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञों ने प्रबंधन की बारीकियों से अवगत कराया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वानिकी प्रजातियों की उन्नत तकनीकों और कृषि वानिकी (एग्रो फॉरेस्ट्री) के आधुनिक प्रबंधन से अवगत कराना है। अधिकारियों को उच्च गुणवत्ता वाले पौधों के उत्पादन, उनके रोपण, संवर्धन एवं संरक्षण की नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी गई। फील्ड विजिट के माध्यम से प्रेक्टिकल कराया गया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के अधीनस्थ उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा महाराष्ट्र के वन अधिकारियों के लिए एक पांच दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत की गई है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. कोमल रानी ने कहा कि संस्थान सतत वानिकी विकास के लिए समर्पित है। निदेशक डॉ. हरीश सिंह गिनवाल ने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले पौधों का रोपण भविष्य की वन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए एग्रो फॉरेस्ट्री एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रशिक्षण में प्रैक्टिकल ज्ञान पर विशेष जोर

मुख्य समन्वयक डॉ. फातिमा शिरीन ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रायोगिक ज्ञान पर विशेष जोर दिया गया है ताकि अधिकारी अपने क्षेत्रों में इसे बेहतर तरीके से लागू कर सकें।

दैनिक सांध्य बन्धु से व्हाट्सएप ग्रुप पर जोड़ने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें

दैनिक सांध्य बन्धु
"सबकी खबर ले , सबको खबर दें"

सोमवार , 02 जून 2025

www.sandhyabandhu.com

TFRI जबलपुर में महाराष्ट्र के वन अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

उत्तम गुणवत्ता पौध उत्पादन एवं कृषि वानिकी प्रबंधन विषय पर होगी तकनीकी जानकारी की गहन चर्चा

दैनिक सांध्य बन्धु जबलपुर

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के अंतर्गत उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (**TFRI**), जबलपुर में महाराष्ट्र राज्य के वन अधिकारियों के लिए पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम महाराष्ट्र वन विभाग द्वारा प्रायोजित है और इसका मुख्य विषय है ङ्क वानिकी प्रजातियों के उत्तम गुणवत्ता पौध उत्पादन एवं कृषि वानिकी प्रबंधन।कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ.

हरीश सिंह गिनवाल ने उच्च गुणवत्ता वाले पौधों के रोपण की आवश्यकता और देश में वन क्षेत्र के सतत् विस्तार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कृषि वानिकी और गुणवत्ता युक्त पौध उत्पादन, टिकाऊ वन विकास की दिशा में अहम कदम हैं। कार्यक्रम का संचालन कर रहीं डॉ. कोमल रानी ने प्रतिभागियों को संस्थान की गतिविधियों और अनुसंधान प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान किस प्रकार वन प्रजातियों के संवर्धन और संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य समन्वयक डॉ. फातिमा शिरीन ने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य वन अधिकारियों को नई तकनीकों और अनुसंधान आधारित तरीकों से अवगत कराना है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) सत्रों को प्राथमिकता दी गई है ताकि प्रतिभागी कम समय में अधिक दक्षता प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रमुख भी उपस्थित रहे।